Edit with WPS Office

.

परीक्षा(कहानी)

---प्रेमचंद

(प्रश्न -उत्तर)

Edit with WPS Office

मौखिक :

(क) इस कहानी का शीर्षक 'परीक्षा'क्यों रखा गया है ?

उत्तर :- इस कहानी का शीर्षक 'परीक्षा' इसलिए रखा गया है क्योंकि यह पूरी कहानी एक परीक्षा पर ही आधारित है।जिसमें दीवान पद के उम्मीदवार का चयन परीक्षा के द्वारा ही किया गया था।

(ख) उम्मीदवारों को कितने दिन तक रियासत में रहने के लिए कहा गया था ?

उत्तर : - उमीदवारों को एक महीने रियासत में रहने के लिए कहा गया था ।

(ग) उम्मीदवारों ने कौन -सा खेल खेलने का प्रस्ताव रखा ?

उत्तर :- उम्मीदवारों ने हॉकी का खेल खेलने का प्रस्ताव रखा ।

(घ)बूढ़े किसान की सहायता किसने की ?

उत्तर :- बूढ़े किसान की सहायता पंडित जानकीनाथ ने की ,जो दीवान पद के उम्मीदवारों में से एक थे।

लघुउत्तरीय प्रश्न :-

(क) जानकीनाथ को क्यों संदेह हुआ कि किसान ही सुजान सिंह है ?

उत्तर :- जानकीनाथ को किसान के सुजान सिंह होने का संदेह इसलिए हुआ क्योंकि किसान का चेहरा - मोहरा सरदार सुजान सिंह से मिल रहा था।साथ ही उसकी आवाज़ भी सुजान सिंह से मिलती - जुलती ही लगी।

(ख) दीवान सुजान सिंह नए दीवान में कौन - कौन सी योग्यताएं चाहते थे?

Edit with WPS Office

उत्तर :-दीवान सुजान सिंह नए दीवान में साहस , वीरता,आत्मबल ,दया ,उदारता तथा परोपकार आदि का गुण चाहते थे।

(ग)दीवान पद के लिए उम्मीदवारों ने क्या - क्या ढोंग किया ?

उत्तर :- दीवान पद के लिए उम्मीदवारों ने तरह - तरह के ढोंग किये।वे सब विनम्र और सदाचारी होने का ढोंग करते।नौकरों को सम्मान देने का तथा व्यवहारी ,अनुशासन प्रिय और धार्मिक होने का भी ढोंग करते।

(घ)हॉकी खेलने के बाद वापस आते समय रास्ते में खिलाड़ियों ने क्या देखा?

उत्तर :- हॉकी खेलने के बाद वापस आते समय खिलाड़ियों ने रास्ते में देखा कि एक बूढ़ा किसान उदास खड़ा है ,जिसकी बैलगाड़ी का पहिया नाले के कीचड़ में फंसा था ।वह असहाय मदद की उम्मीद लगाए हुए था।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :-

(क)जानकीनाथ ने किस प्रकार किसान की सहायता की ?

उत्तर :- जानकीनाथ ने चोट लगी हुई अवस्था में किसान की मदद की।उसने स्वयं नाले में उतरकर कीचड़ में धँसते हुए भी पहिए को जोर से धकेला।उसके प्रयास से पहिया कीचड़ से बाहर आ गया।

इस प्रकार जानकीनाथ ने किसान की मदद की।

(ख) इस कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है ?

उत्तर :- : इस कहानी से हमें ये संदेश मिलता है कि मनुष्य के अच्छे गुणों का महत्व बाहरी प्रमाणपत्रों से ज्यादा होता है | मनुष्य के ह्रदय में दया तथा उदारता होनी चाहिए जिससे वह समाज की सेवा कर सके | उसमें ऐसा आत्मबल होना चाहिए कि वह विपत्ति का सामना वीरता से कर सके | तभी वह समाज में ऊँचा स्थान पाने के योग्य बनेगा |

Edit with WPS Office

(ग) 'गहरे पानी में पैठने से मोती मिलते है ' - वाक्य का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर : - प्रस्तुत पंक्ति का अर्थ है ,जिस प्रकार मोती जैसे अमूल्य रत्न को प्राप्त करने के लिए सागर की गहराई तक जाना पड़ता है।उसी प्रकार गुणवान व्यक्ति को प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ता है।जैसे सुजान सिंह ने जानकीनाथ के रूप में गुणी रत्न को प्राप्त किया।

अतिरिक्त प्रश्न :

1 ◆किसान ने अपने मददगार युवक से क्या कहा? उसका क्या अर्थ था?

उत्तर: जब मददगार युवक ने कीचड़ में फंसे गाड़ी को निकाला तब किसान ने युवक से कहा "नारायण चाहेंगे तो दीवानी आपको ही मिलेगी।"इसका अर्थ यह था कि सुजान सिंह को दीवान पद के लिए सही व्यक्ति मिल गया था। क्योंकि युवक में दयावान, साहसी और परोपकारी जैसे गुण मौजूद थे।

Edit with WPS Office

2 ◆पंडित जानकीनाथ में कौन-कौन से गुण थे?

उत्तर: पंडित जानकी नाथ में दया, साहस, परोपकार, आत्मवल तथा वीरता जैसे सभी गुण मौजूद थे।

3◆सुजान सिंह ने उम्मीदवारों की परीक्षा कैसे ली?

उत्तर: एक दिन सुजान सिंह ने किसान का रूप धारण कर अपने बैलगाड़ी को नाले में फंसा कर सभी उम्मीदवारों की परीक्षा ली। ऐसा करके वे देखना चाहते थे कि कौन आकर विपत्ति में फंसे किसान की मदद करता है।

4"◆दीवान सुजान सिंह ने महाराज से क्या प्रार्थना की? क्यों?

उत्तर: दीवान सुजान सिंह ने महाराज से प्रार्थना की कि इस दास ने श्रीमान की सेवा 40 साल तक की है और अब वह परमात्मा की सेवा करना चाहता है।

सुजान सिंह इसलिए दीवान पद छोड़ना चाहते थे क्योंकि वे बूढ़े हो चुके थे और राजकाज संभालने की शक्ति नहीं थी। वह सोच में पड़ गए कि कहीं भूल चूक हो जाए तो बुढ़ापे में दाग लग जाएगी और सारी जिंदगी कि नेकनामी मिट्टी में मिल जाने की आशंका है।

Edit with WPS Office

पूर्ण वाक्य में उत्तर दो :

(क) 'परीक्षा' कहानी में किस पद के लिए परीक्षा ली गई ?

उत्तर : 'परीक्षा' कहानी में रियासत के दीवान पद के लिए परीक्षा ली गई ।

(ख) दीवान साहब के समक्ष क्या शर्त रखी गई ?

उत्तर : दीवान साहब के समक्ष यह शर्त रखी गई कि रियासत देवगढ़ के

नया दीवान उन्हीं को खोजना पड़ेगा ।

(ग) 'परीक्षा' कहानी में उम्मीदवार कौन -सा सामूहिक खेल खेलते हैं ?

उत्तर : 'परीक्षा' कहानी में उम्मीदवार आपस में हॉकी खेल खेलते हैं ।

(घ) दीवान पद के लिए किसका चयन किया गया ?

उत्तर : दीवान पद के लिए पंडित जानकीनाथ का चयन किया गया ।

Edit with WPS Office

किसने किससे कहा , लिखो :

(क) कहीं भूल-चूक हो जाए तो बुढ़ापे में दाग लगे , सारी

जिंदगी की नेकनामी मिट्टी में मिल जाए ।

उत्तर : सरदार सुजानसिंह ने महाराज से कहा था ।

(ख) मालूम होता है , तुम यहाँ बड़ी देर से फँसे हुए हो ।

उत्तर : युवक (पं . जानकीनाथ)ने किसान (सरदार सुजानसिंह)

से कहा था।

(ग) नारायण चाहेंगे तो दीवानी आपको ही मिलेगी ।

उत्तर : किसान (सरदार सुजानसिंह) ने युवक (पं . जानकीनाथ)

से कहा था।